nirmaan
empowering communities

आपणो ढूंढाड़, आपणी भासा

साथण

जुलाई सूं सितम्बर-2019

चोखा बच्यार

1.आदमी नअ परेसान्यां की जरूरत छ, क्यूंकि सफलता को मजो लेबा बेई या जरूरी छ।

2.खुद का दुख नअ सेबो अर दूसरां नअ दुख न देबो, याई तो तपस्या छ।

संपादक :-
रामजी लाल बैरवा, पूरण मल बैरवा एवं बजरंग लाल बैरवा

सहयोगी :-
मुकेश कुमार योगी, रतन लाल योगी एवं कविता योगी

ढुंढाडी भासा मअ सरकार की योजना (मजदूर कार्ड/डायरी योजना)

1. मजदूर डायरी बणेड़ी छ तो मजदूर का छोरा-छोर्यां नअ इसकूल को खर्चो छातरवती योजना का लाब सूं मलअ छ।

कक्सा 6 सूं 8 तक		कक्सा 9 सूं 12		आईटीआई		डिपलोमा		ओर बी कोई दूसरा कोर्स का स्याब सूं
पडबाळा नअ छातरवती	पडबाळा जादा गरीब नअ छातरवती	पडबाळा नअ छातरवती	पडबाळा जादा गरीब नअ छातरवती	पडबाळा नअ छातरवती	पडबाळा जादा गरीब नअ छातरवती	पडबाळा नअ छातरवती	पडबाळा जादा गरीब नअ छातरवती	पडबाळा नअ छातरवती
8,000	9,000	8,000	10,000	9,000	10,000	10,000	12,000	30,000

बी.ए (सामान्य)		बी.ए (व्यवसाय कोर्स)		एम.ए (सामान्य)		एम.ए (व्यवसाय कोर्स)	
पडबाळा नअ छातरवती	पडबाळा जादा गरीब नअ छातरवती	पडबाळा नअ छातरवती	पडबाळा जादा गरीब नअ छातरवती	पडबाळा नअ छातरवती	पडबाळा जादा गरीब नअ छातरवती	पडबाळा नअ छातरवती	पडबाळा जादा गरीब नअ छातरवती
13,000	15,000	18,000	20,000	15,000	17,000	23,000	25,000

2. मजदूर की 2 छोर्यां जे कक्सा 8 वीं पास हअ, 18 साल की हअ, घर मअ गटर बी हअ अर मजदूर कार्ड/ डायरी कम सूं कम एक साल पराणी हअबो जरूरी छ, जद मजदूर मण्डल सूं अस्या मजदूर नअ दो छोर्यां पअ 55-55 हजार रफ्यां की रासी (सुभ-सक्ति) ईं योजना सूं मलअ छ।

3. मजदूर की लुगाई कअ छोरी हअबा पअ 21,000/- रफ्या अर छोरो हअबा पअ 20,000/- रफ्यां (प्रसूति योजना मअ) की रासी मलअ छ।

4. मजदूर की दुरघटना मअ मोत हअबा पअ 5 लाख 75 हजार रफ्यां की रासी मलअ छ।

5. मजदूर की दुरघटना मअ सामान्य मोत हअबा पअ 2 लाख 30 हजार रफ्यां की रासी मलअ छ।

6. मजदूर कम या पूरो अपंग हअ जावअ तो ऊंनअ 3 लाख रफ्यां की रासी मलअ छ।

7. मजदूर दुरघटना मअ गंभीर घायल हअबा पअ 20 हजार रफ्यां की रासी मलअ छ।

8. जे मजदूर (सिलिकोसिस) बडी बेमारी सूं पीड़ित छ तो 1 लाख रफ्या तक को इलाज अर ईं बेमारी सूं मोत हअबा पअ 3 लाख रफ्यां की रासी मलअ छ।

9. मजदूर कअ सामान्य बेमारी हअबा पअ डाखाना मअ भर्ती का 30 हजार रफ्या अर गंभीर बेमारी सूं पीड़ित छ तो 3 लाख रफ्यां तक को हर साल (सीतमात) इलाज करा सकअ छ।

10. मजदूर नअ खाद्य विभाग सूं जादा गंऊं बी मलबा को परावधान छ।

11. मजदूर नअ 60 साल की अटल पेंसन योजना मअ जादा पेंसन मलबा को परावधान छ।

12. मजदूर कार्ड/डायरी बणेड़ी छ तो मजदूर मकान बणावअ जद ऊंनअ राज्य सरकार सूं 1 लाख 50 हजार रफ्यां की सायता मलअ छ।

थे मजदूर कार्ड/डायरी बणवाबो चार्या छ तो थांकन ये कागजात हअबो जरूरी छ।

1.एक पासपोर्ट फोटो

2.ठेगादार को परमाण पत्तर या मकान मालिक परमाण पत्तर

3.जनम परमाण पत्तर

4.रासन कार्ड

5.आधार कार्ड

6.पचाण पत्तर

7.नामांकन फारम फरणो पड़अलो

ढुंढाड़ी भासा मअ काअणी

चोर की पचाण

एक बार एक सेठ की दुकान मअ चोरी हअगी। सेठ चोरी की खबर राजा नअ खअ दियो। राजो सेठ नअ खियो कअ तन कुण पअ बअम छ। सेठ खियो कअ मन तो म्हारअ काम करबाळा छोरां पअ बअम छ। दूसरअ दन राजो वां छोरां नअ बलार खियो, बतावो चोरी कुण कर्यो छो? चोरी करबा बेई सगळा छोरा नटग्या। राजो सगळा छोरां नअ अगसार लकड़ी का डण्डा दे दियो अर खियो कअ थे यां डण्डा नअ तड़कअ दरबार मअ लेर आज्यो, जे चोरी कर्यो छ, जिंको डण्डो तड़कअ तक आदी इंच बड ज्यालो।

सगळा छोरां मअ सूं जे दुकान मअ चोरी कर्यो छो, वो छोरो सोच लियो कअ आपणो डण्डो तो तड़कअ तक आदी इंच बडज्यालो या सोच'र वो घरां जार डण्डा नअ आदी इंच काट लियो। वो छोरो सुंवारई तक बाअट न्हाळबअ कर्यो, पण वो लकड़ी को डण्डो आदी इंच कोन बड्यो। राजो सुंवारई सगळा छोरां नअ खियो कअ सब अपणा-अपणा डण्डा नअ लेर आवो। सगळा छोरा राजा नअ डण्डा दे दिया। राजो ऊं छोरा नअ पकड़ लियो जिंको डण्डो आदी इंच छोटो छो। राजो ऊं छोरा नअ पकड़'र खियो कअ तू सेठ की दुकान मअ चोरी कर्यो छो। फेर छोरो राजा कन चोरी करबा की हां कर लियो। सेठ राजा का न्याई नअ सुण'र राजी हअग्यो।

सीख :- चोर का पग काचा रअ छ।

ढुंढाड़ी भासा मअ कावतां

1. ढोक दिया डोकरा न परणअ।

अर्थ = मनुहार करने से कोई कार्य नहीं होता है।

2. तलवार को खेत हर्यो न हवअ।

अर्थ = अत्याचार का फल अच्छा नहीं होता।

ढुंढाड़ी भासा मअ भजन

पंछीड़ा लाल सूतो कांई चादर ताण

पंछीड़ा लाल/माया का लोबी, सूतो कांईं चादर ताण।

बाल जुवानी दोनी बीती, छोड पाछली आण।

पंछीड़ा लाल सूतो कांईं चादर ताण.....॥

अब तो अवसर बीत्यो जावअ छोड़ पाछली आण॥ (टेर)

बालपणो हंस खेल गमायो, दे दे गोदी ताण।

बाल-सखा संग करी लड़ाई, रांखी कोनअ काण॥

पंछीड़ा लाल सूतो कांईं चादर ताण.....॥ (1)

जुवान हियो तब सादी कीनी, आडअ फरगी भाण।

ऊं बअणा की एक न मान्यो, घर मअ घाल्यो घाण॥

पंछीड़ा लाल सूतो कांईं चादर ताण.....॥ (2)

रोज-रोज तू फस्यो जाळ मअ, तन कर लियो हाण।

रस-कस निखळ, गाल बअठग्या, मटगी खींचा-ताण॥

पंछीड़ा लाल सूतो कांईं चादर ताण.....॥ (3)

कफ-खांसी दुख देबा लागी, मोत सांकड़अ जाण।

साथी लाठी ले ली हात मअ, अब तो हरी नअ जाण॥

पंछीड़ा लाल सूतो कांईं चादर ताण.....॥ (4)

अतरी खारी हअगी तोमअ, अब तो कर कुछ काण।

दास रूड़मल कथकर गावअ, जाण सकअ तो जाण॥

पंछीड़ा लाल सूतो कांईं चादर ताण.....॥ (5)

ढुंढाड़ी भासा मअ साख

1.कथा करम नअ बांचलअ लिख्या विदाता लेख।
कलम कच्ची करतार की, तो गलती लिख्या न एक॥
2. सतवंती पियर बसअ, सदां पिव का ध्यान।
खअत सुणत लाजां मरअ, येसा आत्म ग्यान॥

ढुंढाड़ी भासा मअ कविता

ढूंढाड़ का लोगां की मायड़ भासा छ, ढुंढाड़ी।
ढूंढाड़ का लोग-लुगायां की पचाण छ, ढुंढाड़ी॥
ढुंढाड़ी मअ बोलां, ढुंढाड़ी मअ गांवां भजन अर गीत।
यो काम आज को कोनअ, यातो बरसां पराणी रीत॥
ढुंढाड़ी, कोयल सी प्यारी, मीठा ईंका गीत।
ईंनअ ई बोलो, ईंमअ ई गावो, या तगड़ी पाळअ परीत॥
कंठा मांही रांखअ लुगायां, जियां नोसर हार।
जनम सूं मरबा तक बोलअ, करअ बाळकां सो प्यार।
हिन्दी पडां, चाहे अंगरेजी पडां,
चाहे करां बातां पंजापी मअ।
मनड़ा की बातां जद बी करां,
म्हे करां बात ढुंढाड़ी मअ।।
ढुंढाड़ी मीठी घणी या लागअ घणी सुवाद।
थोड़ा दना सीखल्यो, बोलअला थे निरबाद॥
ढुंढाड़ी रा हार का मोती, झड़्या कई ठोर।
नमन करूं वां जोहर्यां नअ, ज्यो ल्यावअ यांनअ बटोर॥
नजरां मांही परख काम नअ, नरखअ सारो ढूंढाड़।
धन्यवाद छ निरमाण नअ, ज्यो खोल्या बजड़ कुंवाड़
आवो सगळा मल'र करां ईंको चोखो सणगार।
कवि मोहन लाल यूं खवअ सबनअ, करो मायड़ भासा सूं प्यार॥

कवि मोहन लाल बैरवा
गाँव-चनानी, तहसील-निवाई,
जिला-टोंक, राजस्थान-304021

सम्पर्क
निर्माण सोसायटी
वार्ड नं. 6, तकिया मस्जिद के पास,
काली हवेली के पीछे, देशवालियों का मोहल्ला,
चाकसू, जयपुर, राजस्थान–303901
Ph.-01429-243997, 9982668204
Email- rajasthanlanguages@nirmaan.org.in
Web- www.nirmaan.org.in